



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 339]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 29, 1977/कार्तिक 7, 1899

No. 339]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 29, 1977/KARTIKA 7, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF PETROLEUM

### NOTIFICATION

New Delhi, the 29th October 1977

**G.S.R.659(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 31 of the Oil & Natural Gas Commission Act, 1959 (43 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Oil & Natural Gas Commission Rules, 1960, namely—

1 These rules may be called the Oil and Natural Gas Commission (Amendment) Rules, 1977

2 In the Oil & Natural Gas Commission Rules, 1960 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 5, for the words "at least one month", the words "three months" shall be substituted

3 In the said rules, after rule 21, the following rule shall be inserted, namely—

"21-A Powers of the Commission for implementation of any scheme or proposal involving capital expenditure or in respect of disposal of any property as envisaged under the proviso to section 15 of the Act—The Commission shall obtain the previous approval of the Central Government in respect of —

- (a) the implementation of any scheme or proposal which will involve a capital expenditure exceeding five crores of rupees,
- (b) the disposal of any property, right or privilege the original or book value of which exceeds fifty lakhs of rupees"

[No 0 11021/176-ONG III]

C R VAIDYANATHAN, Jt Secy

## पेट्रोलियम मंत्रालय

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1977

सा० का० नि० 659 (अ).—केन्द्रीय सरकार, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग अधिनियम, 1959 (1959 का 43) की धारा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग नियम, 1960 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात् :—

1. इन नियमों का नाम तेल और प्राकृतिक गैस आयोग (संशोधन) नियम, 1977 है।
2. तेल और प्राकृतिक गैस आयोग नियम, 1960 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 5 में, “कम से कम एक मास” शब्दों के स्थान पर, “तीन मास” शब्द रखे जाएंगे।
3. उक्त नियम में, नियम 21 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“21क. किसी ऐसी योजना या प्रस्ताव को, जिसमें पूंजी व्यय अन्तर्गस्त हो, कार्यान्वित करने के लिए या किसी संपत्ति के व्ययन की बाबत जैसा कि अधिनियम की धारा 15 के परन्तुक के अधीन परिकल्पित हो, आयोग की शक्तियाँ.—आयोग निम्नलिखित मामलों की बाबत केन्द्रीय सरकार का पूर्वानुमोदन प्राप्त करेगा :—

- (क) ऐसी किसी योजना या प्रस्ताव का कार्यान्वयन, जिसमें पांच करोड़ रुपये से अधिक पूंजी व्यय अन्तर्गस्त हो,
- (ख) ऐसी किसी सम्पत्ति, अधिकार या विशेषाधिकार का व्ययन जिसका मूल मूल्य या वही खाना मूल्य पचास लाख रुपये से अधिक हो।”

[सं० O-11021/1/76—ओ एन जी-3]

सी० आर० वैद्यनादन, संयुक्त सचिव।

सहा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा निबंधक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977